• बाल कविता...

हाथी का जूता

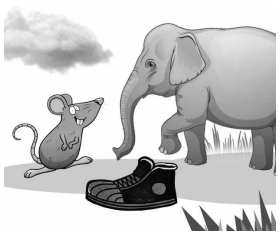

एक बार हाथी दादा ने
खूब मचाया हल्ला,
चलो तुम्हें मेला दिखला दूँ–
खिलवा दूं रसगुल्ला।
पहले मेरे लिए कहीं से
लाओ नया लबादा,
अधिक नहीं, बस एक तंबू ही
मुझे सजेगा ज्यादा!
तंबू एक ओढ़कर दादा
मन ही मन मुसकाए,
फिर जूते वाली दुकान पर
झटपट दौड़े आए।
दुकानदार ने घबरा करके
पैरों को जब नापा,
जूता नहीं मिलेगा श्रीमान
कह करके वह कांपा।
खोज लिया हर जगह, नहीं जब
मिले कहीं पर जूते,
दादा बोले–छोड़ो मेला
नहीं हमारे बूते!

–प्रकाश मनु

• चुटकुले...

पप्पू – ये ट्रेन चल क्यों नहीं रही
टीटी – अरे भारी वर्षा की वजह से ट्रेन लेट है
पप्पू – वर्षा इतनी भारी है तो वर्षा को ट्रेन से उतार क्यों नहीं देते।

बंटू पसीने में लथपथ कूलर वाले की दुकान पर गया
दुकानदार – अबे क्या हाल बना रखा है अपना
बंटू – आपके पास ऊषा का कूलर है?
दुकानदार – हां है
बंटू –तो दे दो वो मंगा रही है।

स्कूल में भयंकर आग लग गई, बच्चे – मजे आ गए
अब कल से स्कूल नहीं आना पड़ेगा??
टीचर पप्पू से – बेटा तुम इतने दुखी क्यों हो?
पप्पू –सर मैं सोच रहा हूं आप जिन्दा कैसे बच गए

• रोचक जानकारी...

जमैका...

जमैका कैरिबियन सागर में स्थित एक द्वीप देश है, जिसमें यह ग्रेटर एन्टिल्स का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है, पर्यटन के इस छोटे से द्वीप राष्ट्र में उष्णकटिबंधीय मौसम और गर्म रेतीले समुद्र तटों का आनंद लेने के लिए लाखों पर्यटकों का झुंड पहुंचता है। जमैका के मूल निवासी मक्का और याम की खेती करते थे लेकिन आज यह देश गन्ना, केले और आम के पैदावार करने के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें से कोई भी स्वदेशी नहीं है। इस द्वीप पर बहुत कम सांप हैं। साल 1 949 में क्रिस्टोफर कोलंबस के वहां पहुंचने के बाद, स्पेन द्वारा जमैका पर दावा किया गया था। यह साल 1 962 में आजादी पाने से पहले साल 1655 में इंग्लैंड के अधीन आया था। संयुक्त राज्य अमेरिका के भी पहले जमैका, पश्चिमी दुनिया में पहला देश था, जिसने रेलवे का निर्माण किया। जमैका की सरकार संवैधानिक राजशाही के तहत एक संसदीय लोकतंत्र है, और उनकी राज्य प्रमुख महारानी एलिजाबेथ द्वितीय हैं। ओको रियोस के किनारे पर जेम्स बांड पैदा हुआ था। इयान फ्लेमीमिंग जमैका में रहते थे जब उन्होंने प्रसिद्ध 14 जेम्स बॉन्ड उपन्यास लिखे थे। जमैका नीले माउंटेन कॉफी का उत्पादन करता है, एक उच्च मांग वाली और महंगी कॉफी जो पूरे विश्व में लोकप्रिय है। यह दुनिया में सबसे नायाब कॉफी है। रम जमैका का राष्ट्रीय पेय है, यहां रम को किसी भी अन्य पेय के साथ मिश्रित किया गया है, बहुत विशेष द्वीप पेय के लिए रम और नारियल पानी को मिलाकर पिया जाता है। फुटबॉल (सॉकर) विश्व कप के लिए योग्य होने के लिए जमैका अंग्रेजी बोलने वाली कैरेबियाई की पहली टीम बनी। जमैका के राजधानी शहर को किंग्स्टन कहा जाता है। जमैका के लोगों ने कूल हेर्क, रैप और हिप-हॉप संगीत शुरू किया। जमैका में पोर्ट रॉयल को एक बार पृथ्वी पर सबसे खराब शहर नाम दिया गया था। जमैका में बहुत धार्मिक लोग हैं। यही कारण है कि यहां पर सबसे अधिक चर्च भी है। 1868 में जमैका में स्थापित, मैनचेस्टर गोल्फ क्लब पश्चिमी गोलार्ध में सबसे पुराना है। जमैका के धावक sain Bolt को विश्व में सबसे तेज आदमी माना जाता है। जमैका द्वीप का लगभग आधा भाग समुद्र तल से 1,000 फीट ऊपर है।

• बाल कहानी...

बदनामी और नेकनामी

एक छोटे से कस्बे में पंडित रामानंद शास्त्री रहा करते थे। वे बहुत सदाचारी थे और हर किसी की मदद को हमेशा तैयार रहते थे। आसपास के कई गांवों तक उनकी ख्याति थी। उनका एक पुत्र था रामसेवक। रामसवेक इकलौता होने के कारण बड़ा ही चंचल और नटखट था।

पंडित जी की हार्दिक अभिलाषा थी उनका बेटा विद्या प्राप्त करके उन्हीं की तरह सदाचारी बने और पूजा पंडिताई का काम करे। लेकिन पिता की इच्छा के विपरीत लाडला रामसेवक हमेशा शरारतें किया करता था। पंडित रामानंद शास्त्री उसे समझाने का प्रयास करते रहते थे, लेकिन रामसेवक को बुरे कामों में मजा आता था।

अंत में निराश होकर पंडित जी ने रामसेवक को समझाना बंद कर दिया। जब कभी कोई उसके पुत्र की शिकायत लेकर आता तो पंडित जी अपने घर के मुख्यद्वार पर एक कील गाढ़ देते। कुछ ही दिनों में दरवाजा कीलों से भर गया।

एक दिन एक अंधा मुसाफिर रोता हुआ पंडित जी के पास आया और पूछने पर उसने बताया कि उनके बेटे रामसेवक ने उनकी लाठी खींच ली और उनकी पोटली कुंएं में फेंक दी। यह सुनकर पंडित को दुख हुआ, उन्होंने दरवाजे की ओर देखा, उसमें केवल एक आखिरी कील के लिए जगह बची थी।

पंडित जी ने उसे अंधे मुसाफिर से माफी मांगकर उसे रवाना किया और कील हथौड़ा लेकर दरवाजे पर जैसे ही कील ठोकनी शुरू की, उसी समय रामसेवक वहां आ पहुंचा। उसने पिता से पूछा, पिता जी, आप यह क्या कर रहे हैं?

पंडित जी उदास मन से बोल उठे, बेटा, मैं तेरे किए गए दुष्कर्मों की गिनती कर रहा हूं।

रामसेवक आश्चर्य से दरवाजे पर लगी कीलों को देखने लगा और फिर पूछ बैठा, क्या दरवाजे पर लगी सभी कीलें मेरे कारण लगी हैं?

इस पर दुखी पंडित जी बोल उठे, हां, मेरे नालायक बेटे! ये सब कीलें तुम्हारे किए गए दुष्कर्मों की सूचक है।

पंडित जी ने रामसेवक को समझाया, देखो बेटा! बुरे कर्मों को छोड़कर परोपकार और सत्कर्म करो, ज्ञान विद्या प्राप्त करो, अब भी अवसर है, नहीं तो शेष जीवन पश्चाताप में बीत जाएगा।

यह सुनकर रामसेवक उदास हो गया। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने मन ही मन प्रण किया कि अब वह अच्छे कर्म करेगा और अपने पिता द्धारा बताए गए मार्ग पर चलेगा।

एकाएक उसके व्यवहार में बदलाव आ गया। उसने लोगों को सताना बंद कर दिया। वह सबकी सहायता करने लगा। उसके इस बदले व्यवहार से पंडित जी खुश रहने लगे। उन्होंने रामसेवक के प्रत्येक अच्छे काम पर दरवाजे पर लगी एक कील निकालनी शुरू कर दी। धीरे धीरे सारी कीलें निकल गई। एक दिन पंडित जी आंगन में बैठकर धूप सेक रहे थे, कि तभी उन्हें किसी ने बताया कि अभी अभी रामसवेक ने एक निर्धन बुढ़िया महिला की सहायता की है। इस सूचना पर प्रसन्न होकर पंडित जी ने जैसे ही अंतिम कील निकाली, उसी वक्त रामसेवक वहां आ पहुंचा। रामसेवक कभी अपने पिता को देखता तो कभी दरवाजे को। उसने कहा, पिताजी कील तो सारी निकल गईं पर उनके निशान दरवाजे पर सदा के लिए रह गए।

इस पर पंडित जी बोले, देखो बेटा, बुरे काम छोड़ देने पर भी उसकी बदनामी मिटाई नहीं जा सकती, इसलिए हमें कभी भी बुरे काम नहीं करने चाहिए। मनुष्य द्धारा किए गए छोटे से छोटे बुरे काम की बदनामी उसकी पीछा नहीं छोड़ती, जैसे ऋषि वाल्मीकि का प्रारंभिक जीवन उनके परिचय में हमेशा उल्लेखित किया जाता है।

पंडित जी की हार्दिक अभिलाषा थी उनका बेटा विद्या प्राप्त करके उन्हीं की तरह सदाचारी बने और पूजा पंडिताई का काम करे। लेकिन पिता की इच्छा के विपरीत लाडला रामसेवक हमेशा शरारतें किया करता था। पंडित रामानंद शास्त्री उसे समझाने का प्रयास करते रहते थे, लेकिन रामसेवक को बुरे कामों में मजा आता था।

अंत में निराश होकर पंडित जी ने रामसेवक को समझाना बंद कर दिया। जब कभी कोई उसके पुत्र की शिकायत लेकर आता तो पंडित जी अपने घर के मुख्यद्वार पर एक कील गाढ़ देते...

• खरगोश...

खरगोश छोटे, और बहुत ही सुंदर जानवर होते हैं, जिसे देखते ही, हमारा मन खुश हो जाता है। लोग इसे अपने घर पर पालते हैं, और इनके प्यारी हरकतों के कारण हम अपने आप को इसके कोमल शरीर को हाथ लगाने से नहीं रोक सकते हैं। हर साल एक मादा खरगोश कम से कम नौ बच्चों को जन्म देती है। कुत्ते और बिल्लियों से ज्यादा, खरगोश को एक छत्त की जरूरत होती है। खरगोश सबसे ज्यादा फुर्तीले भोर के समय में, और शाम के समय में होते हैं। बाकी के समय में वे आराम कर रहे होते हैं। इनके शरीर और फर को हर रोज झाड़ना पड़ता है। खरगोश, इंसानों की तरह आसानी से बोर हो जाते हैं। इनके दांत और नाखुन बढ़ते ही रहते हैं। इसलिए इनका बहुत ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है। हर खरगोश एक दूसरे से किसी ना किसी तरह अलग होता ही है। खरगोश बहुत ही संवेदंशील होते हैं, और इसके कारण छोटे बच्चों को इनसे दूर रखना चाहिए।खरगोश उनके जन्म के समय में अंधे होते हैं।ये जानवर 10–12 साल, या उसके ऊपर के उम्र तक जीवित रह सकते हैं। खरगोश का मांस लाल नहीं, सफेद होता है।

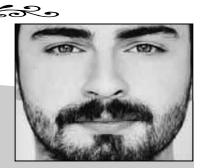

• दाढ़ी...

आज दाढ़ी फैशन ट्रेंड बन गई है। लेकिन दाढ़ी से जुड़ी कई ऐसी आश्चर्यजनक बातें हैं जो शायद आप नहीं जानते। आपको जानकर आश्चर्य होगा की दाढ़ी के बाल हर समय एक जैसे नहीं बढ़ते। दाढ़ी के बाल रात की तुलना में दिन में ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं और जो लोग रात को जागते हैं उनके दाढ़ी के बाल काफी धीमी गति से बढ़ते हैं। आज के समय में जब किसी की मौत हो जाती है तो लोग अपनी दाढ़ी और सिर के बाल साफ करवाते हैं जबकि रोम में पुराने समय में इसके विपरीत जब किसी की मौत हो जाती थी तो दाढ़ी के बाल काटना सही नहीं माना जाता था।